भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 02 | अंक - 23 | बिजौलिया - शनिवार,22 अगस्त,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

डीएमएफटी फंड से खनन प्रभावित गांवों का होगा कायाकल्प, पेयजल-शिक्षा-स्वास्थ्य को प्राथमिकता

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर ।

खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार ने डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड के प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण उपयोग पर जोर दिया है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डीएमएफटी की राशि से खनन प्रभावित गांवों में पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा युवाओं और महिलाओं के कौशल विकास जैसे प्राथमिकता वाले कार्यों को प्रमुखता से कराया जाए।

सचिवालय में शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन की राज्य स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि खनन क्षेत्रों में सड़क और अन्य आधारभूत संरचना के कार्य स्वीकृत करते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि उपलब्ध राशि से संबंधित कार्य पूर्ण रूप से पूरा हो सके। उन्होंने वित्त विभाग को कार्यों की प्राथमिकता और गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए राशि स्वीकृत करने तथा प्रभावी मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हर जिले में पांच साल की योजना बनाने पर जोर

मुख्य सचिव ने कहा कि डीएमएफटी

फंड केवल राशि खर्च करने का माध्यम नहीं, बल्कि खनन प्रभावित क्षेत्रों और वहां रहने वाले लोगों के विकास का महत्वपूर्ण साधन बनना चाहिए। उन्होंने कलेक्टर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने और उनके साथ डीएमएफटी कार्यों की नियमित समीक्षा करने की बात कही। साथ ही खनन क्षेत्रों में फंड के बेहतर उपयोग के लिए पंचवर्षीय योजना तैयार करने की आवश्यकता जताई।

रॉयल्टी से हर साल करीब 1600 करोड़ का फंड

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस अपर्णा अरोरा ने बताया कि डीएमएफटी में मेजर मिनरल लीज से रॉयल्टी की 30 प्रतिशत और माइनर मिनरल लीज से रॉयल्टी की 10 प्रतिशत राशि जमा होती है। फंड से सामान्यतः खनन क्षेत्र के 15 किलोमीटर दायरे को प्राथमिकता दी जाती है, जबकि आवश्यकता होने पर 15 से 25 किलोमीटर क्षेत्र में भी कार्य कराए जा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि डीएमएफटी में हर साल औसतन करीब 1600 करोड़ रुपए प्राप्त होते हैं। प्रदेश के संबंधित जिलों में अब तक 11,435 करोड़ 81 लाख रुपए के कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 6,718 करोड़ 28 लाख रुपए खर्च हो चुके हैं।

सड़क और बुनियादी सुविधाओं पर भी खर्च

डीएमएफटी फंड से खनन प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों के साथ-साथ सड़क और आधारभूत संरचना के विकास के लिए भी राशि खर्च की जाती है। एसीएस माइंस ने कलेक्टर्स से कहा कि कार्य स्वीकृत करते समय प्राथमिकता तय की जाए, ताकि फंड का वास्तविक लाभ खनन प्रभावित गांवों और वहां रहने वाले लोगों तक पहुंच सके।

बैठक में वन एवं पर्यावरण एसीएस आनंद कुमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता एसीएस दिनेश कुमार, शिक्षा एसीएस राजेश यादव, सार्वजनिक निर्माण विभाग एसीएस प्रवीण गुप्ता सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने सुझाव दिए। भारत सरकार के निदेशक नितिन पाण्डे ने डीएमएफटी पोर्टल पर केंद्र सरकार द्वारा साझा की जा रही आवश्यक जानकारियों की जानकारी दी।

बैठक में विशिष्ट सचिव माइंस नम्रता वृष्णि, योजना सचिव रविकुमार सुरपुर, पीएचईडी सचिव राजन विशाल, वित्त सचिव व्यय टीना सोनी, निदेशक माइंस एमपी मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बनास नदी क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन पर कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

भीलवाड़ा फोकस @ बड़लियास ।

बनास नदी क्षेत्र में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की है। पुलिस के अनुसार 20 अगस्त की शाम थाना क्षेत्र के जीवा का खेड़ा में बनास नदी की सरहद पर अवैध बजरी परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ा गया।

पुलिस ने मौके पर वाहन को जब्त कर प्रकरण दर्ज किया तथा मामले में आगे की कार्रवाई शुरू की। पुलिस की कार्रवाई से अवैध बजरी परिवहन करने वालों में हड़कंप है।

कार्रवाई करने वाली टीम में हेड कांस्टेबल सांवलदान, कांस्टेबल विनोद एवं भंवरलाल शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि अवैध बजरी खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

तिलस्वा महादेव मंदिर के बाहर रास्ते को लेकर विवाद, 5 हिरासत में

दुकानदारों पर रास्ता अवरुद्ध कर झगड़ा करने का आरोप, श्रद्धालुओं की परेशानी की शिकायत पर पुलिस पहुंची

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

तिलस्वा महादेव मंदिर के बाहर रास्ता अवरुद्ध करने और दुकानदारों के बीच आए दिन विवाद की शिकायत के बाद थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच जनों को हिरासत में लिया।

कांस्या चौकी प्रभारी एएसआई नरेश सुखवाल ने बताया कि मंदिर के बाहर दो दुकानदारों द्वारा रास्ता रोककर आपस में लड़ाई-झगड़ा करने की शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया गया कि विवाद के चलते मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पांच लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए लोगों में कन्हैयालाल उर्फ कान्हा (21) पुत्र नरेश सिंह कुशवाह, मूल निवासी रौन, जिला भिंड, हाल निवासी तिलस्वा; शकुन्तला (40) पत्नी नरेश सिंह कुशवाह, मूल निवासी रौन, जिला भिंड, हाल निवासी तिलस्वा; रतनलाल (42) पुत्र कन्हैयालाल लखारा, निवासी तिलस्वा; टीना (40) पत्नी रतनलाल लखारा, निवासी तिलस्वा तथा महेन्द्र कुमार (27) पुत्र लालचंद रेगर, निवासी कांस्या शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक मंदिर के बाहर दुकानदारों के बीच विवाद और रास्ते पर अवरोध की शिकायत लगातार सामने आ रही थी। इससे मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी होने की बात कही गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की।

पुलिस की कार्रवाई के बाद अब मंदिर के बाहर रास्ते पर व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारू रखने पर जोर रहेगा।

आचार संहिता के बीच ट्रांसफर-पोस्टिंग वालों को बड़ी राहत

24 अगस्त तक नई जगह ज्वाइन कर सकेंगे अधिकारी-कर्मचारी, आचार संहिता से पहले जारी नियुक्ति आदेश पर भी ज्वाइनिंग की अनुमति

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

नगरीय निकाय चुनाव की आचार संहिता लागू होने के बाद ट्रांसफर-पोस्टिंग या पदोन्नति के बावजूद नई जगह ज्वाइन नहीं कर पाने वाले राज्य कर्मचारियों और अधिकारियों को राज्य निर्वाचन आयोग ने राहत दी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता लागू होने से पहले जिनके स्थानांतरण या पदस्थापन आदेश जारी हो चुके थे, वे 24 अगस्त तक नए पद पर ज्वाइन कर सकते हैं। वहीं, आचार संहिता से पहले नियुक्ति आदेश जारी हो चुके चयनित अभ्यर्थियों को भी संबंधित विभाग ज्वाइनिंग दे सकेंगे।

कई विभागों में अटकी थी ज्वाइनिंग

दरअसल, अगस्त माह में प्रदेश के कई विभागों में बड़ी संख्या में तबादले, पदस्थापन और पदोन्नति के आदेश जारी किए गए थे। इनमें पुलिस, बिजली, चिकित्सा, नगरीय निकाय सहित विभिन्न

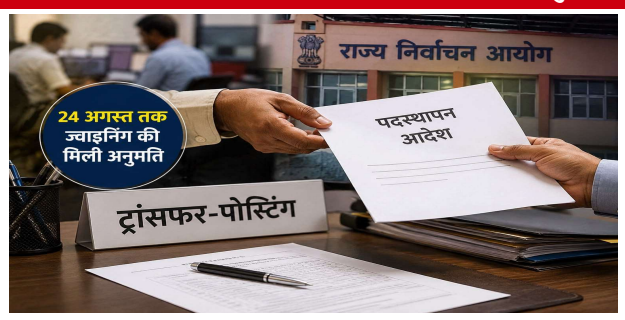

विभाग और स्वायत्त संस्थाएं शामिल हैं। आदेश जारी होने के बाद कई अधिकारी-कर्मचारियों ने नई जगह पर ज्वाइन नहीं किया था। इसी बीच नगरीय निकाय चुनाव की घोषणा के साथ आचार संहिता लागू हो गई, जिससे इनकी ज्वाइनिंग को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई।

विभागों ने मांगा था आयोग से मार्गदर्शन

ज्वाइनिंग को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर विभिन्न विभागों की ओर से राज्य निर्वाचन आयोग से मार्गदर्शन मांगा गया। आयोग ने मामले की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि आचार संहिता लागू होने से पहले जारी किए गए ट्रांसफर-पोस्टिंग आदेशों के तहत संबंधित अधिकारी-कर्मचारी ज्वाइन कर सकते हैं। इसके लिए 24 अगस्त तक ज्वाइनिंग प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी।

नियुक्ति आदेश पहले तो ज्वाइनिंग पर रोक नहीं

आयोग ने नए चयनित कर्मचारियों और अधिकारियों के मामले में भी स्थिति स्पष्ट की है। जिन भर्तियों की प्रक्रिया आचार संहिता लागू होने से पहले पूरी हो चुकी थी और चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश भी आचार संहिता से पहले जारी कर दिए गए थे, ऐसे मामलों में ज्वाइनिंग पर रोक नहीं रहेगी। संबंधित सरकार या विभाग चयनित अभ्यर्थियों को नियमानुसार ज्वाइनिंग करा सकेगा।

चुनावी प्रक्रिया से जुड़े आदेशों पर रहेगी पाबंदी

हालांकि, आचार संहिता लागू होने के बाद नए ट्रांसफर-पोस्टिंग अथवा नियुक्ति संबंधी ऐसे आदेश, जो निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं, आयोग के दिशा-निर्देशों के अधीन रहेंगे। आयोग ने सभी विभागों से निर्वाचन संबंधी नियमों और आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करने को कहा है।

निकाय चुनाव की तैयारियों पर आयोग ने राजनीतिक दलों से की चर्चा

राज्य निर्वाचन आयुक्त बोले निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी दल नियमों का पालन करें

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर

नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। शासन सचिवालय परिसर स्थित राज्य निर्वाचन आयोग के सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने की।

बैठक में नगरीय निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए आयोग की ओर से की जा रही तैयारियों और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। आयोग के अधिकारियों ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को चुनाव प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी।

मतदाता सूची से लेकर निर्वाचन व्यय तक की दी जानकारी

बैठक में निर्वाचन कार्यक्रम, मतदाता सूची, नामांकन प्रक्रिया, मतदान व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता और निर्वाचन व्यय सहित विभिन्न विषयों पर राजनीतिक दलों को जानकारी दी गई। प्रतिनिधियों से चुनाव प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए सुझाव और अपेक्षाएं भी ली गईं।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए सभी राजनीतिक दलों का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने राजनीतिक दलों से आयोग के नियमों और दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में सहयोग करने की अपील की।

आचार संहिता की पालना पर विशेष जोर

बैठक में आदर्श आचार संहिता के प्रभावी पालन पर विशेष जोर दिया गया। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सभी राजनीतिक दलों और अभ्यर्थियों के लिए आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों तथा निर्वाचन संबंधी कानूनी प्रावधानों का पूर्ण रूप से पालन करना आवश्यक होगा।

बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राजेश वर्मा, आयोग के वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

राधे कृष्णा हर्बल
मोरिंगा पाउडर एवं कैप्सूल
30,माणक नगरी बून्दी रोड़ बिजोलिया MO.8426904895

'भीलवाड़ा फोकस'
अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।
Mo. 8696795959
Bhilwarafocus@gmail.com
BHILWARA Focus
भीलवाड़ा की बात,फोकस के साथ

नगरीय निकाय चुनाव में प्रचार सामग्री के मुद्रण पर रहेगा नियंत्रण

मुद्रणालय संचालकों को धारा 127-क के प्रावधानों की पालना के निर्देश

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर निर्वाचन प्रचार सामग्री के मुद्रण पर प्रशासन ने नियंत्रण के निर्देश जारी किए हैं। जिला मजिस्ट्रेट जसमीत सिंह संधू ने जिले के सभी मुद्रणालय संचालकों को पम्पलेट, पोस्टर, हैंडबिल, प्लेकार्ड, विज्ञापन सहित अन्य चुनावी सामग्री के मुद्रण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 127-क और निर्वाचन आयोग के निर्देशों की कड़ाई से पालना करने को कहा है।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार जिले में 9 और 11 सितंबर को मतदान तथा 14 सितंबर को मतगणना होगी। चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की ओर से प्रचार सामग्री प्रकाशित कराए जाने को देखते हुए मुद्रणालयों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

मुद्रक-प्रकाशक का नाम-पता जरूरी

निर्देशों के अनुसार प्रत्येक चुनावी पम्पलेट, पोस्टर, हैंडबिल या अन्य प्रचार सामग्री पर मुद्रक और प्रकाशक का नाम व पता स्पष्ट रूप से अंकित करना अनिवार्य होगा। बिना नाम-पते वाली सामग्री का मुद्रण नहीं किया जा सकेगा। मुद्रण कार्य स्वीकार करने से पहले मुद्रक को निर्धारित प्रारूप में प्रकाशक से हस्ताक्षरित घोषणा प्राप्त करनी होगी, जिसे प्रकाशक को व्यक्तिगत रूप से जानने वाले दो व्यक्तियों से सत्यापित कराया जाना आवश्यक है।

तीन दिन में देनी होगी जानकारी

मुद्रणालय संचालकों को सामग्री के मुद्रण के तीन दिन के भीतर निर्धारित घोषणा पत्र, मुद्रित सामग्री की चार प्रतियां तथा मुद्रित प्रतियों की संख्या और ली गई राशि का विवरण जिला मजिस्ट्रेट को प्रस्तुत करना होगा। प्रत्येक प्रचार सामग्री के लिए यह विवरण अलग-अलग देना होगा।

उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

प्रावधानों या निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित मुद्रणालय के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला मजिस्ट्रेट ने सभी मुद्रणालय संचालकों से चुनावी प्रचार सामग्री के मुद्रण में निर्धारित नियमों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

नाकाबंदी तोड़कर भागे तस्कर, पंचर ने खोला नशे का राज

दो वाहनों से 753.550 किलो डोडा-पोस्त और 6.420 किलो अफीम जब्त, फर्जी नंबर प्लेटें भी मिलीं

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी। डीएसटी भीलवाड़ा और फुलियाकलां थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नशे की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस के अनुसार दो संदिग्ध वाहनों ने नाकाबंदी तोड़कर भागने का प्रयास किया और स्टॉप स्टिक को भी पार कर लिया। पीछा करने के दौरान दोनों वाहन पंचर हो गए। इसके बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने दोनों वाहनों की तलाशी ली तो 753 किलो 550 ग्राम डोडा-पोस्त और 6 किलो 420 ग्राम अफीम बरामद हुई। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 1.42 करोड़ रुपए बताई गई है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा अंजुम कायल ने बताया कि 20 अगस्त की रात डीएसटी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो संदिग्ध वाहन शाहपुरा से गुलाबपुरा की ओर जा रहे हैं। सूचना पर ग्राम कोठिया में नाकाबंदी की गई। पुलिस ने वाहनों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक नाकाबंदी तोड़कर तेज गति से भाग निकले। पुलिस टीम ने पीछा किया और दूसरी टीम को भी सूचना दी। दूसरी टीम ने स्टॉप स्टिक लगाकर वाहनों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक उसे भी पार कर गए। कुछ दूरी पर दोनों वाहन पंचर हो गए। चालक वाहन छोड़कर अंधेरे में फरार हो गए।

स्कॉर्पियो और क्रेटा जब्त

तलाशी में एक स्कॉर्पियो और क्रेटा से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों वाहनों के साथ अलग-अलग नंबरों की फर्जी नंबर प्लेटें भी जब्त की हैं। पुलिस के अनुसार डोडा-पोस्त की अनुमानित कीमत करीब 1.12 करोड़ तथा अफीम की कीमत करीब 30 लाख रुपए है। मामले में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। अनुसंधान पुलिस निरीक्षक लीलाबर मालवीय के जिम्मे है।

फरार तस्करों की तलाश

आरोपियों के फरार होने के बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में तलाश शुरू कर दी है। जब्त वाहनों और फर्जी नंबर प्लेटों के आधार पर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मादक पदार्थ कहां से लाया गया और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

निकाय चुनाव में खलल डालने वालों पर होगी सख्ती

नवनियुक्त डीएसपी नानालाल ने संभाली कमान, तीनों थाना क्षेत्रों का किया निरीक्षण

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी। निकाय चुनाव को लेकर शाहपुरा पुलिस ने कानून- व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षक नानालाल ने कार्यभार संभालने के बाद स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान शांति भंग करने, कानून व्यवस्था बिगाड़ने या आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीएसपी नानालाल ने बताया कि आईजी एवं एसपी स्तर पर आयोजित क्राइम बैठक में निकाय चुनाव को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं के अनुरूप शाहपुरा पुलिस वृत्त में प्रभावी पुलिसिंग और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव, आमजन की सुरक्षा और शांतिपूर्ण कानून-व्यवस्था पुलिस की प्राथमिकता है।

तीनों थाना क्षेत्रों का लिया जायजा

नवनियुक्त डीएसपी ने शाहपुरा वृत्त के शाहपुरा, फुलियाकलां और बनेड़ा थाना क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों से अपराध की स्थिति, कानून-व्यवस्था और चुनावी तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अपराध की रोकथाम के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

अवैध गतिविधियों की सूचना देने की अपील

डीएसपी ने आमजन से यातायात नियमों की पालना करने और अवैध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय को अपराध नियंत्रण के लिए जरूरी बताया।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किसी भी व्यक्ति द्वारा माहौल बिगाड़ने या कानून हाथ में लेने का प्रयास किया गया तो पुलिस नियमानुसार कार्रवाई करेगी। पुलिस का उद्देश्य भयमुक्त वातावरण में शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करना है।

भीलवाड़ा हवाई पट्टी पर व्यावसायिक उड़ानों की संभावनाएं तलाशीं

एयरपोर्ट अथॉरिटी की तकनीकी टीम ने किया निरीक्षण, केंद्रीय एविएशन मंत्रालय को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

हवाई पट्टी से व्यावसायिक उड़ानें शुरू करने की दिशा में एक बार फिर कवायद तेज हुई है। सांसद दामोदर अग्रवाल की ओर से पिछले छह माह से केंद्र व राज्य सरकार के नागरिक उड्डयन विभाग के स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के बीच एयरपोर्ट अथॉरिटी की तकनीकी टीम ने हवाई पट्टी का निरीक्षण कर व्यावसायिक उड़ानों की संभावनाओं का जायजा लिया।

सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि भारत सरकार के निर्देश पर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली और उदयपुर के तकनीकी अधिकारियों की टीम भीलवाड़ा पहुंची। टीम ने मौजूदा लैंड बैंक में ही व्यावसायिक उड़ानों के संचालन की संभावनाओं का तकनीकी निरीक्षण किया।

एटीसी सिस्टम और आसपास के अवरोध भी देखे

सांसद कार्यालय प्रभारी प्रेम गर्ग के अनुसार निरीक्षण के दौरान भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़ प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भी मौजूद रहे। टीम ने हवाई पट्टी के साथ यहां स्थापित एटीसी सिस्टम का निरीक्षण किया तथा उसकी ऊंचाई में बदलाव की आवश्यकता और आसपास मौजूद संभावित अवरोधों का भी जायजा लिया।

अधिकारियों ने मौजूदा संसाधनों और भूमि में व्यावसायिक उड़ानें शुरू करने की व्यवहारिक संभावनाओं को देखा। निरीक्षण के बाद तैयार रिपोर्ट केंद्रीय एविएशन मंत्रालय को भेजी जाएगी।

रिपोर्ट के बाद आगे बढ़ेगी प्रक्रिया

सांसद दामोदर अग्रवाल पिछले छह माह से भीलवाड़ा हवाई पट्टी पर व्यावसायिक उड़ानें शुरू कराने को लेकर केंद्र एवं राज्य स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। अब तकनीकी टीम के निरीक्षण के बाद उम्मीद जगी है कि यदि तकनीकी स्तर पर बड़ी बाधा सामने नहीं आती है तो व्यावसायिक हवाई सेवा शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

तहसील कार्यालय से बाइक चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने 4 दुपहिया वाहन किए बरामद, पूछताछ में सामने आईं अन्य वारदातें

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

तहसील कार्यालय परिसर जैसे सार्वजनिक स्थान पर खड़ी बाइक चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चार दुपहिया वाहन बरामद किए हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में भी जानकारी सामने आई है। पुलिस मामले में दोनों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने बताया की शक्करगढ़ निवासी मनीष कुमार ने 19 अगस्त को बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के मुताबिक मनीष 15 जुलाई को किसी काम से जहाजपुर तहसील कार्यालय आया था। उसने अपनी बाइक कार्यालय परिसर में खड़ी की और नक्शा व शपथ पत्र जमा कराने के लिए अंदर चला गया। करीब 20 मिनट बाद जब वह वापस लौटा तो मौके से बाइक गायब थी। आसपास तलाश करने के बाद भी बाइक का पता नहीं चलने पर पुलिस को सूचना दी गई।

एक बाइक से शुरू हुई जांच, कई वारदातों तक पहुंची पुलिस

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने बाइक चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम गठित कर संदिग्धों की तलाश की गई। पुलिस टीम ने हनुमान नगर, देवली, टोंक, सावर, केकड़ी और अजमेर क्षेत्र में भी जानकारी जुटाई। संदिग्धों की तलाश में कई होटल और ढाबों पर पूछताछ एवं तलाशी की गई।

जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से दो संदिग्ध युवकों के संबंध में जानकारी मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने जहाजपुर निवासी सांवरिया शुक्ला (30) और अजय खटीक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दोनों युवकों से बरामद बाइक चोरी की निकली। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों ने बाइक चोरी करना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से कुल चार दुपहिया वाहन बरामद किए।

पुलिस अब बरामद वाहनों के संबंध में जानकारी जुटा रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इनमें से कितने वाहन किन-किन स्थानों से चोरी किए गए थे। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में बाइक चोरी की अन्य वारदातों से जुड़े सुराग भी मिले हैं।

'भीलवाड़ा फोकस'
अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।
Mo. 8696795959
Bhilwarafocus@gmail.com
BHILWARA Focus
भीलवाड़ा की बात,फोकस के साथ

QUICK BITES

भीलवाड़ा विधानसभा कार्यकर्ता स्नेह मिलन 23 को, विधायक कोठारी बताएंगे, अब तक के विकास कार्यों का लेखा-जोखा!

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

विधानसभा क्षेत्र के सभी नागरिकों एवं कार्यकर्ताओ का स्नेह मिलन 23 अगस्त को शाम 4 बजे हरि सेवा धाम रोडवेज बस स्टैंड के सामने, भीलवाड़ा पर आयोजित होगा। विधायक कार्यालय के मीडिया प्रभारी दिलीप सोनी ने बताया की कार्यक्रम में विधायक अशोक कुमार कोठारी अपने कार्यकाल के दौरान भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी कार्यकर्ताओं और नागरिकों के समक्ष रखेंगे। साथ ही भीलवाड़ा के आगामी विकास की योजनाओं को लेकर नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं से सुझाव और विचार भी सुनेंगे।

सोनी ने बताया कि स्नेह मिलन का उद्देश्य कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करने के साथ ही क्षेत्र के विकास को लेकर किए गए कार्यों की जानकारी साझा करना तथा भविष्य की विकास योजनाओं के लिए जनभावनाओं और सुझावों को जानना है। भीलवाड़ा के विकास के लिए राजनीति के क्षेत्र में श्रेष्ठ व्यक्तियों के चयन पर चिंतन और मनन भी किया जाएगा ।

सोनी ने बताया कि भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न कालोनियों और क्षेत्रों से कार्यकर्ता एवं नागरिक स्नेह मिलन को सफल बनाने में जुटे हुए है । यह कार्यक्रम समस्त कार्यकर्ता गण भीलवाड़ा विधानसभा के द्वारा किया जा रहा है!

कार्यकर्ताओं द्वारा इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए, मीटिंग कर व्यापक संपर्क किया जा रहा है ।

साइबर अपराध से बचाव को लेकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

विक्रमपुरा व गणेशपुरा में जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों को कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

शुभम जैन । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा के निर्देश पर शुक्रवार को तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम तालुका विधिक सेवा समिति की अध्यक्ष एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट रूपल अग्रवाल के निर्देशन में हुए।

विक्रमपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को 'सशक्त युवा, मजबूत भारत' अभियान के तहत साइबर अपराध से बचाव और कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को अनजान फोन कॉल, संदिग्ध संदेश और इंटरनेट के माध्यम से होने वाली ठगी से सावधान रहने की सलाह दी गई। साथ ही व्यक्तिगत जानकारी, बैंक खाते, एटीएम एवं अन्य बैंकिंग विवरण किसी अनजान व्यक्ति से साझा नहीं करने के लिए जागरूक किया गया।

विद्यार्थियों को साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल शिकायत करने तथा डिजिटल माध्यमों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की जानकारी दी गई। इसी क्रम में गणेशपुरा में भी विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पीएलवी गोपाल पाराशर, सुनीत नायक, प्रधानाचार्य रमेश कुमार नायक, अध्यापिका अंजू वर्मा, अध्यापक मोहम्मद असलम सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

राष्ट्रभाव, अनुशासन और व्यक्तित्व निर्माण का दिया संदेश

राष्ट्रभाव, अनुशासन और व्यक्तित्व निर्माण का दिया संदेश

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, नगर की ओर से संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नाट्य समारोह आयोजित किया गया। इसमें राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार एडवोकेट दीपक पारीक ने एकल अभिनय 'चौकीदार' के माध्यम से परम पूज्य गुरुजी माधवराव सदाशिव गोलवलकर के जीवन, विचार और कार्यशैली को मंच पर जीवंत किया। रंगकर्मी रामप्रसाद पारीक के निर्देशन में हुई प्रस्तुति में कलाकार के संवाद, हाव-भाव और अभिनय ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। एक ही पात्र के माध्यम से विभिन्न भावों और परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। कई दृश्यों में सभागार में गहरी खामोशी रही, जबकि प्रस्तुति के समापन पर दर्शकों ने तालियों से कलाकार का उत्साहवर्धन किया।

नाटक के माध्यम से अनुशासन, राष्ट्रभाव, सेवा, त्याग और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों पर जोर दिया गया। प्रस्तुति में यह संदेश दिया गया कि राष्ट्र निर्माण में जागरूक, अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्तित्वों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आयोजकों के अनुसार 'चौकीदार' का उद्देश्य गुरुजी के जीवन-दर्शन और विचारों को मंचीय माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाना था। कार्यक्रम के अंत में कन्हैया लाल ने अतिथियों, कलाकारों, आयोजकों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

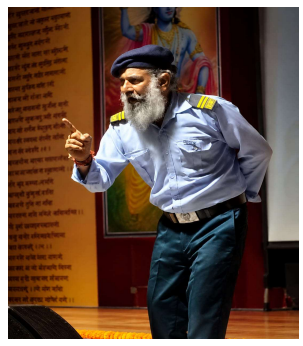

बेटी ससुराल को स्वर्ग बना दे तो वही तीर्थ बन जाता हैः पुलकसागर

बोले- घर का वास्तु नहीं, पहले मन सुधारें; परिवार में प्रेम और संस्कार जरूरी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

मूलचन्द पेसवानी। चित्रकूटधाम में आयोजित ज्ञान गंगा महोत्सव में राष्ट्र संत मनोज्ञाचार्य पुलकसागर महाराज ने परिवार और संस्कारों पर प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि परिवार ईंट-पत्थरों से नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, समर्पण और विश्वास से बनता है। घर की खुशहाली के लिए वास्तु सुधारने से पहले मन का सुधार जरूरी है।

परिवार में बेटियों के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि विवाह के बाद बेटी नए परिवार को प्रेम और समझदारी से अपना घर माने तो वही घर स्वर्ग और तीर्थ बन सकता है। माता-पिता को बेटियों को रिश्ते तोड़ने के बजाय कठिन परिस्थितियों में धैर्य, विवेक और संवाद से समाधान तलाशने के संस्कार देने चाहिए।

सास-बहू में हो मां-बेटी जैसा अपनापन

पुलकसागर महाराज ने कहा कि सास बहू को बेटी और बहू सास को मां का भाव दे तो परिवार में प्रेम बढ़ेगा। अधिकार से पहले कर्तव्य को समझने और छोटी-छोटी बातों को प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं बनाने से कई पारिवारिक विवाद समाप्त हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि धन-संपत्ति से अधिक महत्वपूर्ण संस्कार हैं। बच्चों को सुविधाओं के साथ जिम्मेदारी, अनुशासन और अच्छे व्यवहार के संस्कार देना जरूरी है। बेटियों को शिक्षा के साथ आत्मविश्वास, विवेक और संस्कार भी दिए जाने चाहिए।

पहले खुद को बदलें

आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य दूसरों को बदलने की कोशिश करता है, जबकि उसे पहले स्वयं में बदलाव लाना चाहिए। घर का वास्तु सुधारने से पहले मन का वास्तु सुधारना जरूरी है। मन में प्रेम, क्षमा, संतोष और करुणा हो तो सामान्य घर भी आनंद का केंद्र बन सकता है।

उन्होंने विनम्रता का संदेश देते हुए कहा कि व्यक्ति को अहंकार छोड़कर सहजता से जीवन जीना चाहिए। वर्तमान को बेहतर बनाने से भविष्य भी बेहतर होता है।

30 अगस्त तक होंगे प्रवचन

ज्ञान गंगा महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महोत्सव के तहत 30 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10 बजे तक चित्रकूटधाम में प्रवचन होंगे। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन और शास्त्र भेंट का आयोजन हुआ। आरके-आरसी महिला मंडल ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। संचालन चातुर्मास समिति के महामंत्री जयकुमार पाटनी ने किया। समिति अध्यक्ष प्रवीण चौधरी, संयोजक मनीष शाह व सह संयोजक लोकेश अजमेरा सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

जीवन में परमात्मा के अलावा कोई हमारा सच्चा मित्र नहीं हो सकता-आचार्य रामदयालजी महाराज

दुनिया में सबसे भयंकर पाप विश्वासघात, विश्वासघाती को कभी क्षमा नहीं मिलती

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

जीवन में सखा वहीं होता है जो उसका खास होता है। जिसका विनाश तय है उसके साथ मित्रता नहीं हो सकती। अजर अमर अविनाशी परमात्मा के अलावा हमारा दूसरा कोई मित्र नहीं हो सकता। अविनाशी परमात्मा के साथ हमारी दृढ़ मित्रता व स्नेह होना चाहिए। सखा भाव सम रहे इसमें कभी विषमता नहीं आती है। सखा भक्ति सर्वोच्च भक्ति होती है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरू आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज ने शुक्रवार को ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत दैनिक सत्संग में सखा भक्ति की चर्चा करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि परमात्मा ओर हमारा सम्बन्ध जन्म-जन्म का है बाकी सब सम्बन्ध पीछे छूट जाते है। स्वार्थ वाली मित्रता कभी टिकती नहीं है। परमात्मा से मित्रता करो न तो वह मरता है, न बिछुड़ता है ओर न आगे होकर मित्रता तोड़ता है। महात्मा परमात्मा कभी पकड़ते नहीं है ओर पकड़ लेते है तो जन्मो जन्म तक अपना बनाकर रखते है कभी छोड़ते नहीं है।

आचार्यश्री ने कहा कि स्वामी रामचरण महाराज ने सखा भक्ति के बारे में बताते हुए कहा कि हमारा मन व विचार ही हमारा मित्र व शत्रु है ओर वे ही किसी को शत्रु ओर किसी को मित्र बनाता है इसलिए सबसे पहले अपने मन व विचार को मित्र बनाए। परमात्मा से श्रेष्ठ मित्र जगत में नहीं हो सकता। अर्जुन भगवान कृष्ण का सखा ओर भक्त दोनों था। भगवान ने तत्वज्ञान में बताया कि भक्त से भी सखा श्रेष्ठ होता है। परमात्मा ने अर्जुन को मित्र बनाकर दिव्य ज्ञान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि वह भाग्यशाली होते है जिन्हें परमात्मा की मित्रता प्राप्त होती है। हम परमात्मा को मित्र बनाए वह ठीक है पर परमात्मा हमे मित्र स्वीकार करे तो भाग्यशाली है। गोकुल के ग्वाले इसलिए भाग्यशाली थे कि कृष्ण ने उन्हें अपना मित्र बनाया था। बुद्धिमान व्यक्ति वह है जो वेदाभ्यास, शास्त्राभ्यास, स्वाध्याय करता है। वाणीजी का वाणी में स्वाध्याय करेंगे तो उसे आत्मसात कर पाएंगे।

आचार्य रामदयालजी महाराज ने कहा कि संसार को मित्रता की दृष्टि से देखे। नकारात्मक सोचते तो शत्रुता ओर सकारात्मक सोचने पर मित्रता नजर आती है। हम परमात्मा में माता पिता, गुरू व मित्र को देखते है तो माता पिता, गुरू व मित्र में भी परमात्मा को देखे ओर कभी इनके साथ विश्वासघात नहीं करे। विश्वासघाती जैसे पापी को धरती मां कभी सहन नहीं करती ओर ऐसा व्यक्ति कभी शांति को प्राप्त नहीं कर सकता। विश्वासघाती को दुनिया में कोई क्षमा नहीं करता। संसार में सबसे भयंकर पाप विश्वासघात होता है। उन्होंने कहा कि मित्र ओर परमात्मा के साथ छ्ल कपट कभी मत करो। मित्र भक्ति में ज्ञान ओर ज्ञान में भगवान है। सच्चा मित्र वहीं है जो अपने साथ को कुमार्ग से सुमार्ग पर ले लाए ओर पतित को पावन बना दे।

आचार्यश्री ने कहा कि धैर्य, धर्म, मित्र ओर नारी की परीक्षा विपतिकाल में ही होती है। संकट में ही पता चलता कौन कितना धैर्यवान ओर धर्मात्मा है। आचार्यश्री से पूर्व अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के प्रखर वक्ता संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस प्रवचन दिया। प्रवचन के विश्राम पर श्रद्धालुओं द्वारा आचार्यश्री रामदयालजी महाराज की आरती की गई। सत्संग में भीलवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। चातुर्मास में दैनिक सत्संग का समय सुबह 9 से 10 बजे तक है। रामधुनी के साथ सुबह 8.30 से 9 बजे तक वाणीजी का पाठ हो रहा है। सूर्यास्त के समय संध्या आरती एवं रामस्नेही सम्प्रदाय के युवा संत रामजस ईडर द्वारा भक्तमाल की कथा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है।

विधानसभा में अमृत-2 योजना को शीघ्र शुरू करने का मुद्दा उठाया विधायक कोठारी ने

भीलवाड़ा की 120 कॉलोनियों को जल्द मिले चंबल का पानी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पर्याप्त एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने को लेकर विधायक अशोक कुमार कोठारी ने आज विधानसभा में अमृत-2 योजना का मुद्दा उठाते हुए सरकार से योजना शीघ्र प्रारंभ करने की मांग की।

विधायक कोठारी ने पर्ची के माध्यम से विधानसभा में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा शहरों में जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से अमृत-2 योजना प्रारंभ की गई है। भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए इस योजना के तहत 131 करोड़ रुपये के व्यय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। योजना के अंतर्गत

भीलवाड़ा शहर को चंबल के जल से पेयजल उपलब्ध कराने का प्रावधान है।

उन्होंने बताया कि परियोजना की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 6 फरवरी 2023 को ही प्राप्त हो गई थी, लेकिन पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में निजी कॉलोनियों को योजना में शामिल न करने तथा डीपीआर निर्माण को लेकर आवश्यक कार्रवाई नहीं होने के कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी।

विधायक कोठारी ने कहा कि वर्तमान सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जलदाय मंत्री के प्रयासों से डीपीआर निर्माण के साथ निजी कॉलोनियों को भी योजना में शामिल करने पर सहमति बनी। इसके परिणामस्वरूप परियोजना की तकनीकी स्वीकृति 16 दिसंबर 2024 को प्राप्त हुई। इसके बाद 3 जनवरी 2025 को टेंडर जारी किए गए। टेंडर की तकनीकी बिड 7 फरवरी 2025 तथा वित्तीय बिड 25 अप्रैल 2025 को खोली जा चुकी है।

विधायक कोठारी ने विधानसभा में चिंता जताते हुए कहा कि टेंडर प्रक्रिया पूरी हुए 16 माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अभी तक कार्यादेश जारी नहीं किया गया है। इसके कारण भीलवाड़ा शहर की जनता को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति की समस्या बनी हुई है और मीठे जल के अभाव में मज़बूरी में उनको नलकूप आदि से जलापूर्ति करनी पढ़ रही है जिससे उनको त्वचा , पेट के साथ अन्य कई रोग हो रहे है द्य

उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि अमृत-2 योजना का कार्यादेश शीघ्र जारी करवाया जाए, ताकि भीलवाड़ा शहर की लगभग 120 कॉलोनियों को चंबल के पानी से जोड़कर उन्हें समुचित एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

चिकित्सकों के अभाव में मरीज परेशान, छोटी बीमारियों के लिए भी जाना पड़ता है दूर

मेहरू कलां के उप स्वास्थ्य केंद्र में स्थायी चिकित्सक की नियुक्ति की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ मेहरू कलां।

अजमेर जिले के मेहरू कलां स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की कमी के चलते ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि केंद्र पर लंबे समय से स्थायी चिकित्सक नहीं होने से उन्हें सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए भी कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है।

ग्रामीणों के अनुसार बुजुर्गों, बच्चों

और गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी होती है। रात के समय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं होने से आपात स्थिति में मरीजों को निजी वाहनों से दूसरे अस्पताल ले जाना पड़ता है। इससे समय के साथ आर्थिक भार भी बढ़ रहा है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से उप स्वास्थ्य केंद्र पर स्थायी चिकित्सक की नियुक्ति करने और रात के समय भी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर उपचार की व्यवस्था होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है।

महेशपुरा में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

कबड्डी में बड़ा महुआ, खो-खो में खैराबाद और वॉलीबॉल में सुवाणा ने जीता खिताब

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर।

सांवर वैष्णव। क्षेत्र के महेशपुरा गांव स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में आयोजित 70वीं सुवाणा ब्लॉक स्तरीय 14 वर्ष छात्र खेलकूद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समापन हुआ। तीन दिवसीय प्रतियोगिता के अंतिम दिन कबड्डी का फाइनल मुकाबला खेला गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

अध्यापक गोविंदराम व्यास ने बताया कि कबड्डी के फाइनल में विनायक पब्लिक स्कूल बड़ा महुआ ने राउप्रावि जित्या खेड़ी को 21-5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। खो-खो में जेबीडीएन शिक्षण संस्थान खैराबाद विजेता तथा राउप्रावि खायड़ा उपविजेता रहा। वहीं वॉलीबॉल में एस स्टीवर्ड मोरिस स्कूल सुवाणा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि राउमावि मंडफिया चारण उपविजेता रहा।

विजेता टीमों को किया सम्मानित

समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष रामलाल जाट रहे, जबकि अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्राथमिक शिक्षा डॉ. रामेश्वर प्रसाद जीनगर ने की। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व प्रधान सुवाणा श्यामलाल गुर्जर, पीईईओ कांदा अंशु शर्मा, प्रशासक कलुदिंया जगदीश जाट, पूर्व सरपंच हलेड़ हरफूल जाट, सत्यनारायण शर्मा पिपली और पूर्व सरपंच कांदा शिवराज जाट सहित अन्य मौजूद रहे।

अतिथियों का विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि जाट ने विजेता टीमों को जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हारने वाली टीमों को निराश होने के बजाय अपनी कमियों पर मेहनत कर आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए। विजेता टीमों को ट्रॉफी, पारितोषिक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में मेजबान आगे

साहित्य एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में मेजबान राउप्रावि महेशपुरा का दबदबा रहा।

हिंदी निबंध में एजुकेशन एकेडमी स्कूल पिपली प्रथम व महेशपुरा द्वितीय तथा अंग्रेजी निबंध में एजुकेशन एकेडमी स्कूल पिपली प्रथम व न्यू वीआईपी स्कूल पिपली द्वितीय रहा।

हिंदी वाद-विवाद के पक्ष और विपक्ष दोनों वर्गों में महेशपुरा प्रथम रहा। अंग्रेजी वाद-विवाद के दोनों वर्गों में कोमल विश्व भारती विद्यापीठ कारोई प्रथम तथा महेशपुरा द्वितीय रहा।

सामूहिक नृत्य, विचित्र वेशभूषा, एकल गायन और एकाभिनय में महेशपुरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सामूहिक गान में भी मेजबान विद्यालय प्रथम रहा। इन प्रतियोगिताओं में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में वाइस प्रिंसिपल रेखा सेन ने अतिथियों, प्रतिभागियों एवं ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन चेतन पारीक ने किया।

70वीं वृत्त स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में ककरोलिया घाटी बनी चैंपियन

फाइनल में शहीद भगत सिंह कोटड़ी को हराकर जीता खिताब, विद्यालय पहुंचने पर हुआ स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी।

70वीं वृत्त स्तरीय छात्र वर्ग 14 वर्ष कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में ककरोलिया घाटी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शहीद भगत सिंह कोटड़ी को हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता सतोला-कोटड़ी में आयोजित की जा रही थी। खिताब जीतकर विद्यालय लौटने पर विजेता खिलाड़ियों का विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों ने स्वागत किया।

टीम प्रभारी व्याख्याता मनीष

मोरलिया ने बताया कि फाइनल मुकाबले में ककरोलिया घाटी के खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया और जीत दर्ज कर चैंपियन का खिताब हासिल किया। विद्यालय पहुंचने पर विजेता खिलाड़ियों का विद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार ओझा, शारीरिक शिक्षक शिवराम खटीक, सीताराम कनवाड़िया, कैलाश चंद्र भाम्भी, भंवरलाल सुथार, महेश कुमार, नमोनारायण मीणा, राजमल तंवर, कमलेश मीणा, तेज सिंह कानावत, राम सिंह मीणा, कालूराम जाट, जगदीश चंद्र जाट, टीना सुथार, शिमला जाट, सूरजमल जाट, दिनेश कुमार मीणा, कोच लक्ष्मण जाट सहित विद्यालय स्टाफ एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

QUICK BITES

बारिश की बेरुखी के बाद जंगली सूअरों का आतंक, 20 बीघा मक्का फसल बर्बाद

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी। तहसील के बोरड़ा बावरियान पंचायत क्षेत्र में बारिश की कमी से परेशान किसानों की मुश्किलें अब जंगली सूअरों ने और बढ़ा दी हैं। जंगली सूअरों के झुंड खेतों में घुसकर खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान की चिंता सता रही है।

बोरड़ा बावरियान निवासी रजाक पठान ने बताया कि उन्होंने करीब 20 बीघा में मक्का की फसल बोई थी। फसल अच्छी थी, लेकिन पिछले दिनों जंगली सूअरों के झुंड ने खेत में घुसकर फसल को बर्बाद कर दिया। किसानों का कहना है कि रात के समय झुंड में आने वाले सूअरों को रोकना मुश्किल हो रहा है और उन्हें पूरी रात खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है।

उपसरपंच जगदीश जाट, सुखदेव गुर्जर, भेरूलाल बेशकी, सरदार खां पठान सहित अन्य किसानों ने प्रशासन से फसल खराबे का सर्वे करवाकर नियमानुसार राहत दिलाने की मांग की है। किसानों ने जंगली सूअरों के आतंक से स्थायी निजात दिलाने के लिए भी प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

किसानों के अनुसार प्रतापपुरा क्षेत्र में भी पूर्व में यह समस्या सामने आ चुकी है, लेकिन प्रभावी समाधान नहीं हो सका। बारिश की कमी और फसल नुकसान की दोहरी मार झेल रहे किसानों का कहना है कि अब प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद है।

देवली से कोटड़ी की 27वीं विशाल पदयात्रा पंडेर पहुंची

ग्रामीणों ने उत्साह के साथ किया पदयात्रियों का स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर।

श्री कोटड़ी चारभुजा नाथ की 27वीं विशाल पदयात्रा पंडेर पहुंची। पदयात्रियों के पहुंचने पर ग्रामीणों ने उत्साह के साथ स्वागत किया। डीजे, ढोल-नगाड़ों के साथ निकली पदयात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हैं।

श्री चारभुजा पदयात्रा समिति के राकेश कुमार दिया ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी पदयात्रा श्री चारभुजा नाथ मंदिर देवली से नगर भ्रमण के बाद रवाना हुई। यात्रा का पहला विश्राम 20 अगस्त को जहाजपुर, 21 अगस्त को रोपा और 22 अगस्त को बीरधौड़ में होगा। इसके बाद 23 अगस्त को पदयात्री जयकारों के साथ श्री कोटड़ी चारभुजा नाथ मंदिर पहुंचेंगे।

नगर में पदयात्रियों की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा दोपहर 12:15 बजे मंदिर शिखर पर ध्वजा चढ़ाई जाएगी। पदयात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर में प्रसाद की व्यवस्था की गई है।

डिजाइन थिंकिंग और संचार कौशल' पर कार्यशाला आयोजित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजेंद्र मार्ग में संचालित अटल टिंकरिंग लैब के तत्वावधान में 'डिजाइन थिंकिंग और संचार कौशल' विषय पर एक दिवसीय ऑफलाइन सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला लैब प्रभारी अर्चना जोशी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कार्यक्रम के मुख्य सत्र में जयपुर से एमओसी की सम्मानित प्रशिक्षक पूजा ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल व आधुनिक दौर में डिजाइन थिंकिंग और बेहतर संचार कौशल का उपयोग करते हुए विद्यार्थी किस प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में अपने सफल करियर का निर्माण कर सकते हैं। सत्र के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए विभिन्न विषयों पर सार्थक प्रश्न-प्रतिप्रश्न किए और अपनी जिज्ञासाओं व संशयों का समाधान प्राप्त किया।

प्राध्यापक सत्येंद्र माली ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह गहलोत ने मुख्य अतिथि का पारंपरिक रूप से उपरना पहनाकर स्वागत एवं भावभीना अभिनंदन किया।

इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य अंकित उपाध्याय, धीरज जोशी, दिनेश उपाध्याय, प्राध्यापक सुरेंद्र सिंह चैहान, श्रद्धा शर्मा, विक्रम चौधरी सहित विद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नगर निकाय चुनाव के लिए सुविधा केंद्र व बहुद्देशीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

नगर पालिका आम चुनाव-2026 की आदर्श आचार संहिता प्रभावी होने के साथ ही निर्वाचन संबंधी कार्यों के लिए जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में मतदाता सुविधा केंद्र एवं बहुद्देशीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त कलक्टर डॉ. हरितिमा ने बताया कि नगर पालिका आम चुनाव-2026 से संबंधित सूचना एवं जानकारी के लिए मतदाता सुविधा केंद्र एवं बहुद्देशीय नियंत्रण कक्ष से संपर्क किया जा सकता है। नियंत्रण कक्ष की स्थापना आचार संहिता की पालना सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।